Title: Need to restore Jal Dhara Yojana in Jharkhand-Laid.

श्री राम टहल चौधरी (रांची): झारखंड का अधिकांश क्षेत्र पहाड़ीनुमा है, जिसमें अधिकांश जंगल है और छोटे और सीमांत किसान लोगों का निवास है। यहां पर आदिवासी लोगों को और किसान लोगों को जल धारा सिंचाई ही महत्वपूर्ण साधन है क्योंकि चैक डेम, सिंचाई की छोटी परियोजनायें और बड़ी सिंचाई परियोजनायें नहीं बन पाई है और किसान लोग केवल जल धारा सिंचाई योजना के माध्यम से अपने खेतों को सींचने का काम करते हैं। 1998-99 से इस योजना को स्थगित कर दिया गया है जिसके कारण किसानों को अपने खेतों की सिंचाई करने में काफी कठिनाई महसूस हो रही है। जिन लोगों ने इस योजना के तहत कुंऐ बनाये थे उनको भुगतान नहीं मिला और कई कुंए ध्वस्त हो चुके हैं।

सदन के माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि जल धारा योजना के अन्तर्गत जिन कुओं का निर्माण किया गया है, उसको बकाया भुगतान मिले और साथ ही चैक डेम का निर्माण किया जाये और इस योजना के अन्तर्गत कुओं के निर्माण को चालू रखा जाये, जिससे गरीब किसान अपने खेतों को पानी समय पर पहुंचा सके, क्योंकि यह योजनायें झारखंड के लिए उपयुक्त हैं।